किताबें

किताबें करती हैं बातें
बीते जमानों की दुनिया की,
इंसानों की आज की
कल की एक - एक पल की।

खुशियों की, गमों की,
फूलों की, बमों की
जीत की, हार की
प्यार की, मार की
प्यार की, हार की।

क्या तुम नहीं सुनोगे
इन किताबों की बातें?
किताबें, कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं

Name :- Rahul Kumar